जागरण YAHOO! INDIA दैनिक जागरण e PAPER

बिना प्रशिक्षण नहीं मिलेगी तरक्की पटना, जागरण ब्यूरो : आप बिहार प्रशासनिक सेवा (बिप्रसे) के अधिकारी हैं तो प्रशिक्षण लेने के लिए तैयार हो जाइए। इसके बिना तरक्की नहीं मिलेगी। सरकार ने सेवा कालीन प्रशिक्षण से संबंधित नीति एवं कार्यक्रम तय कर लिया है। राज्य में विकास के बदलते परिवेश, उससे जनित जटिल व चुनौतीपूर्ण वातावरण में जन सामान्य की सरकार से बढ़ी अपेक्षाओं के कारण काम चुनौतीपूर्ण हो गया है। सरकार महसूस करती है कि बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राज्य प्रशासन में दूसरी पंक्ति के महत्वपूर्ण अधिकारी है। ऐसे में इन्हें चुनौतियों का सामना करने के लिए क्षमतावान बनाया जाये। इसी आलोक में समय-समय पर सेवा कालीन प्रशिक्षण की जरूरत महसूस की गयी है। मकसद क्षमता में वृद्धि, नेतृत्व का गुण, वित्तीय प्रबंधन, लोक प्रबंधन, सूचना का अधिकार, जन शिकायत, लोक सेवाओं का अधिकार, परियोजना प्रबंधन तथा कम्युनिकेशन से संबंधित प्रोफेशनल दक्षता विकसित करना है। एक विभाग से दूसरे विभाग या क्षेत्रीय कार्यालय से विभाग में स्थानांतरण होने पर उप सचिव एवं उसके ऊपर के अधिकारी को आधे दिन का इंडक्शन कोर्स दिया जायेगा। जिसमें विभाग के कार्यकलाप के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी जायेगी। इसके लिए हर विभाग में इंटरेक्टिव ट्रेनिंग सीडी तैयार होगा। अच्छी अंग्रेजी और कम्प्यूटर में दक्षता के लिए केन्द्र सरकार के उपक्रम डोएक द्वारा संचालित संस्थानों से ट्रेनिंग दिलवायी जायेगी। जो अधिकारी अपनी योग्यता और बढ़ाना चाहते हैं उन्हें अच्छे देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन व तकनीकी संस्थानों में भेजा जायेगा साथ ही दूसरे प्रदेश के बेहतर प्रोजेक्ट के अध्ययन के लिए भी भेजा जायेगा। ज्यादा एक्सपोजर मिल सके इसके लिए भारत सरकार तथा अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में भी भेजा जायेगा।

निजता नीति | सेवा की शर्तें | आपके सुझाव
इस पृष्ठ की सामग्री जागरण प्रकाशन लिमिटेड द्वारा प्रदान की गई है
कॉपीराइट © 2007 याहू! वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सर्वाधिकार सुरक्षित
कॉपीराइट / IP नीति